संजीवनी
लाईफ केयर
AN ISO 9001:2012 CERTIFIED

Dr. Sudish Kumar

(UROLOGIST)

MBBS, MNAMS, DNB (Kol.),DIP. UROLOGY, (Plymouth Uni., UK)
Consultant Urologist, Sanjeevani Life Care, Patna
Hon. Consultant Urologist, Ford Hospital & Research Centre
and Dhamma Super Speciality Hospital, Patna

मूत्र एवं जननांग रोग विशेषज्ञ

Confident, Empathetic & Extensive experience as Urologist
in Highly Specialized Hospitals.

SPECIAL EXPERTISE IN LASER ENDOUROLOGY

German made High Power Green Laser Treatment for Stone
(RIRS, Laser Prostatectomy-HOLEP)

EXPERIENCE (12 YEARS)

- Ex-ASSOCIATE PROFESSOR at Narayan Medical College and Hospital, Sasaram
- Ex-UROLOGIST & LAP SURGEON at National Medical College & Research Institute, Birgunj, Nepal
- VOS (Endo-Urology), Urology Dept. CMC, Velore
- Ex-RESIDENT REGISTRAR IN UROLOGY at Calcutta Medical Research Institute, Kolkata

MEMBERSHIPS

- Life member, Urological society of India
- Hon. Treasurer, Bihar Urological Society of India
- Life member, USI-East zone
- Ex-Council member-USI-EZ-Zone

संजीवनी लाईफ केयर (स्पेशलाइज्ड यूरोलॉजी सेन्टर) पटना के हवाई अड्डा से आधा किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यह अस्पताल अत्याधुनिक मशीनों से सुसज्जित है। यहाँ मूत्र रोग संबंधी सभी तरह के ऑपरेशन की व्यवस्था है।

अस्पताल में 24X7 डॉक्टर की उपलब्धता ।
भर्ती मरीजों के लिए रूम (AC/NON AC) एवं वार्ड ।
X-Ray, RGU-MCU, ECG, यूरोफ्लोमेट्री,
पैथोलॉजी जाँच दवाखाना, कैंटीन इत्यादि की सुविधा ।

www.sanjeevaniliecare.com

- पेशाब के रास्ते में रूकावट (प्रोस्टेट), पेशाब के थैली का किडनी–यूरेटेरिक स्टोन इत्यादि का बिना चीर–फाड़ के दूरबीन विधि से लेजर द्वारा ईलाज ।
- किडनी, युरेटर, पेशाब की थैली, प्रोस्टेट, अण्डकोष एवं लिंग के कैंसर का ईलाज ।
- पेशाब की थैली एवं युरेट्र कट जाने पर सर्जरी द्वारा ईलाज (VVF & UVF)
- किडनी के रास्ते में रूकावट (PUJ Obstruction) – Pyeloplasty
- अण्डकोष एवं लिंग संबंधी जन्मजात बिमारियों का ईलाज ।
- लेप्रोस्कोपिक विधि द्वारा अक्षमरेशन की व्यवस्था । संजीवनी में अन्य ऑपरेशन की भी सुविधा उपलब्ध है ।

विशेषताएं :

RIRS

Reterograde intra Renal surgery इस विधि में स्टोन को ग्रीन लेजर तकनीक द्वारा पाउडर कर दिया जाता है जो मशीन द्वारा पानी के प्रेसर से साफ हो जाता है। इस ऑपरेशन में शरीर पर किसी भी तरह का दाग या निशान नहीं होता है। इस ऑपरेशन में खून की भी जरूरत नहीं पड़ती है। इस ऑपरेशन में मरीज को एक या दो दिन में छुट्टी कर दी जाती है।

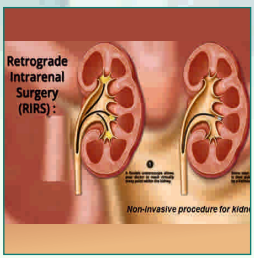

URSL

Ureteroscopic and holmium laser lithotripsy इस विधि में यूरेटर वाले स्टोन जो पेसाब की नली में फंसे होते है उन्हें लेजर तकनीक द्वारा पाउडर कर निकला जाता है।

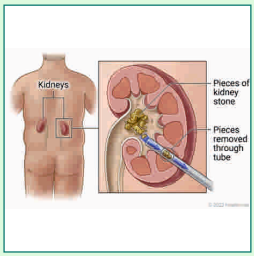

PCNL

Percutaneus nephrolithotomy इस विधि में मरीज के पीठ में बनाए गए एक सुराग के माध्यम से किडनी में डाले गए नेफ्रोस्कोप से छोटे या बड़े आकार के किडनी स्टोन को निकाला जाता है।

HYPOSPADIAS

यह लड़कों में होने वाली जन्मजात बीमारी है जो लिंग के अगले भाग में ना होकर नीचे कहीं रास्ता बन जाता है एवं पेनिस में मौजूद डिफेक्ट दूर करने के लिए रिकंस्ट्रक्ट सर्जरी की जाती है।

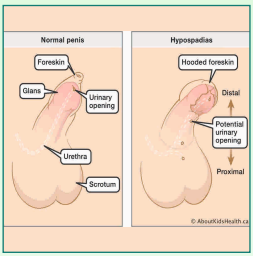

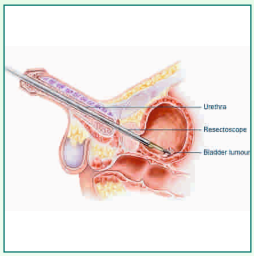

TURBT

Transurethral resection of bladder tumor इस विधि में मूत्राशय को ट्यूमर को दूरबीन (सिस्टोस्कोप) के द्वारा हटाया जाता है और टिश्यू को बायोप्सी जांच में भेजा जाता है।

TURP

Transurethral resection of prostate यह पुरुषों में पाई जाने वाली पेल्विस में एक छोटी ग्लैंड होती है जो लिंग और मूत्राशय के बीच होता है ।

इस विधि में मूत्राशय के ग्लैंड को दूरबीन (सिस्टोस्कोप) के द्वारा हटाया जाता है और टिश्यू को बायोप्सी जांच में भेजा जाता है।

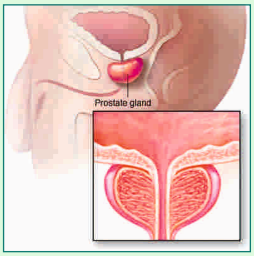

TURP

Transurethral resection of prostate यह पुरुषों में पाई जाने वाली पेल्विस में एक छोटी ग्लैंड होती है जो लिंग और मूत्राशय के बीच होता है ।

इस विधि में मूत्राशय के ग्लैंड को दूरबीन (सिस्टोस्कोप) के द्वारा हटाया जाता है और टिश्यू को बायोप्सी जांच में भेजा जाता है। यह दो तरीकों से होता है

1 TURP

2 Bipolar Saline TURP इस विधि में खून का प्रवाह कम होता है।

OIU

Optical Internal Urethrotomy इस विधि में दूरबीन एवं लेजर तकनीक द्वारा पेसाब के रास्ते में सिकुड़न (यूरेथरल स्ट्रिकचर) को काट कर रास्ता बनाया जाता है।

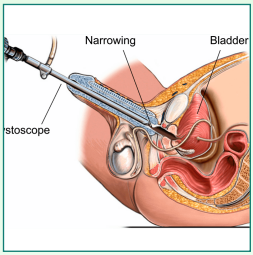

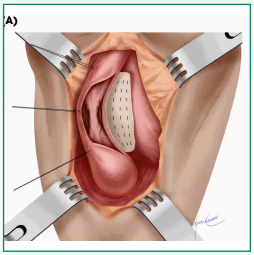

URETHROPLASTY

इस विधि में चीरा लगाकर सिकुरे हुए पेशाब की नली को काटकर हटाया जाता है एवं शरीर के दूसरे भाग से चमड़ा लेकर टड्बू की तरह जोड़ा जाता है एवं सर्जरी के दौरान पेशाब की नली में खून के प्रवाह को सुनिश्चित कर ऑपरेशन किया जाता है।

HOLEP

Holmiun laser enucleation prostate इस विधि में LUTS के उपचार के लिए लेजर तकनीक द्वारा सर्जरी किया जाता है जो कि BPH के कारण होता है। इस विधि में खून का प्रवाह कम होता है।

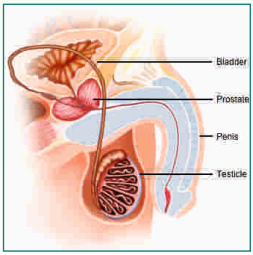

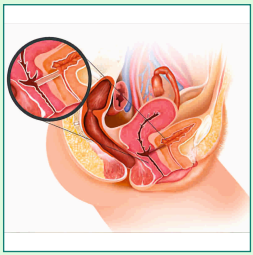

VVF REPAIR

Vesico Vaginal Fistula इसमें ब्लाडर और वजाइना के बीच एक प्रकार की ओपनिंग (छेद) बन जाता है जिस से होकर पेशाब लगातार ब्लाडर से वेजाइना में रिसता (टपकता) रहता है। यह लेप्रोस्कोपिक तरीके से ठीक किया जा सकता है। कभी – कभी यह पेट में बड़े चीरे या laparotomy से भी ठीक किया जाता है।

PYELOPLASTY

इस विधि में किडनी से निकलने वाले रास्ते में (PUJO) की रुकावट या संकुचन (stricture) को ठीक करने के लिए एक बड़े चीरा द्वारा सर्जरी किया जाता है। यह दूरबीन विधी द्वारा भी ठीक किया जाता है जिसे Pyelo Endotomy कहा जाता है।

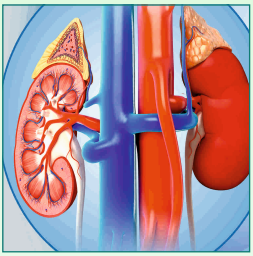

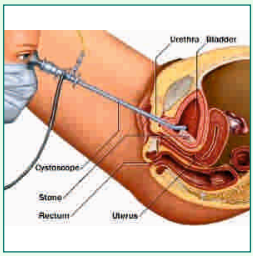

URETHRAL CYSTOSCOPY

इस विधि में सिस्टोस्कोपी में दूरबीन एवं लाइट लगाकर डॉक्टर यूरेथरा एवं ब्लाडर की जांच करते हैं।

RADICAL ORCHIDECTOMY

इस विधि में टेस्टिस कैंसर का इलाज किया जाता है। इस सर्जरी में एक अंडकोष को निकल दिया जाता है।

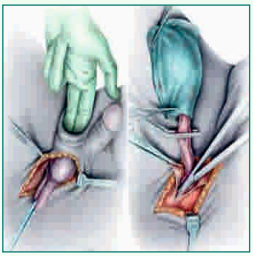

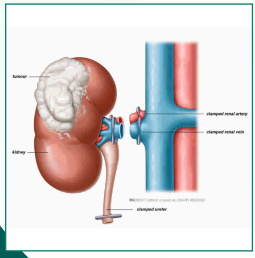

NEPHRECTOMY

इस विधि में अगर किसी मरीज का किडनी काम नहीं कर रहा है एवं किडनी कैंसर है तो उसे चीरा लगाकर हटाया जाता है।

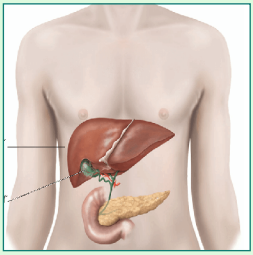

LAP CHOLE

Laparoscopic Cholecystectomy पित्ताशय यानी कि गॉल ब्लैडर से संबंधित सर्जरी है। पित्ताशय में स्टोन या पथरी हो जाती है, जिसे सर्जरी के द्वारा निकाला जाता है। इस विधि में दूरबीन द्वारा लाइट सोर्स की मदद से नाभि के पास एक छोटे से चीरे से गॉल ब्लैडर को निकाला जाता है।मेइस सर्जरी को लैप्रोस्कोपिक कॉलेसिस्टेक्टमी सर्जरी कहते हैं। पित्त की थैली में पथरी होने का सबसे बड़ा कारण है फैट युक्त भोजन की ज्यादा मात्र लेना और लंबे समय तक खाली पेट रहना।

LAVH

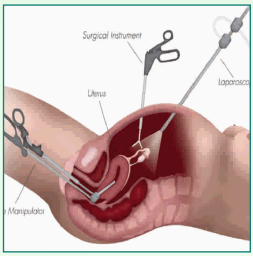

Laparoscopically assisted vaginal hysterectomy इस विधि में टोटल लेप्रोस्कोपिक हिस्टेरेक्टमी, सर्जरी द्वारा गर्भाशय (यूट्रस और सर्विक्स) को निकालने की प्रक्रिया है। यह स्त्री रोगों के लिए सबसे ज्यादा की जाने वाली विधि है। जिन्हें माहवारी के दौरान अत्यधिक रक्तस्त्राव की शिकायत होती है, बच्चेदानी में गांठ, एडिनोमायोसिस, एंडोमेट्रियोसिस या गर्भाशय का कैंसर (Uterus Cancer) इसके कारण हो सकते हैं। इसमें लेप्रोस्कोप (जिसमें एक छोटा कैमरा, लाइट व अन्य उपकरणों से लैस एक पतला फाइबर ऑप्टिक ट्यूब जुड़ा होता है) से सर्जरी करते हैं। इससे विशेषज्ञ पेट पर एक छोटा चीरा लगाकर गर्भाशय, अंडाशय और फैलोपियन ट्यूब को 10 गुना बड़े आकार में देख पाते हैं। इसे करने की कुल अवधि 40–80 मिनट की है। इससे बड़े आकार का गर्भाशय भी हटा सकते हैं।

लेजर किडनी स्टोन सर्जरी

RIRS WITH GREEN LASER

- RIRS - ग्रीन लेजर एक नई तकनीक है जो बिहार में बहुत कम जगह उपलब्ध है। इस विधि में स्टोन को ग्रीन लेजर द्वारा पाउडर कर दिया जाता है जो मशीन द्वारा पानी के प्रेसर से साफ हो जाता है।
- इस ऑपरेशन में किमती मशीन एवं लेजर का इस्तेमाल होता है। इसलिए यह बाकी ऑपरेशन से थोड़ा अधिक खर्चीला है।
- किडनी एवं किडनी से निकलने वाले रास्ते में किसी भी स्थान पर पथरी होने पर इस विधि द्वारा निकाला जा सकता है।
- इस ऑपरेशन में शरीर पर किसी भी तरह का दाग या निशान नहीं होता है।
- इस ऑपरेशन में खुन की जरूरत नहीं पड़ती क्योंकि यह ऑपरेशन बिना चीर-फार के दूरबीन विधि एवं लेजर द्वारा किया जाता है।
- इस ऑपरेशन के बाद मरीज को एक या दो दिन में छुट्टी कर दी जाती है।
- यह ऑपरेशन गैस मशीन द्वारा किया जाता है। जो कि एक सुरक्षित विधि है - Anaesthesia with GE work Station

संजीवनी लाईफ केयर

AN ISO 9001:2012 CERTIFIED

राईडिंग रोड, हवाई अड्डा, केंद्रीय विद्यायल के निकट, पटना-800 014

www.sanjeevaniliecare.com | Email : info@sanjeevanjilifecare.com